

International Conference on 'Advancements in Material Science for Sustainable Development (AIMS-2025)' organized at CUH
(13-15 February, 2025)

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj

Date: 14-02-2025

हकेवि में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ शुभारंभ

सतत विकास में मेटेरियल साइंस की भूमिका महत्वपूर्ण : प्रो. राजीव आहूजा

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग द्वारा ह्यएडवॉसमेंट्स इन मेटेरियल साइंस फ़ोर सरस्टेनेबल डेवलपमेंट (एआईएमएस) 2025 का विषय पर केन्द्रित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का गुरुवार को शुभारंभ हो गया। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा मुख्य अतिथि तथा एनआईटी हर्मीपुर के प्रो. रवि कुमार और इल्लहदिल्ली विश्वविद्यालय की प्रो. अमिता चंद्राहल्ल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता हकेवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फ़ाउंडेशन और नाभिकीय विज्ञान अनुसंधान बोर्ड के सहयोग से आयोजित इस तीन दिवसीय सम्मेलन में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से संबद्ध 200 से अधिक प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं।

मुख्य अतिथि प्रो. राजीव आहूजा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए



तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. राजीव आहूजा को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति।

सरस्टेनेबल टेक्नोलॉजी के विकास में मेटेरियल साइंस की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने अपने संबोधन में ह्यसुपरकंडक्टिव मेटेरियल का विज्ञान संचरण, मैगलेव ट्रेस और ऊर्जा भंडारण के लिए उपयोग करने की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने भारत के ह्यनेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन का अंतर्गत हाहाइड्रोजन वैली प्लेटफॉर्म और ह्यगति शक्ति भारत कार्यक्रम पर भी

विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि किस तरह से इसके माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा और सतत विकास की दिशा में भारत अग्रसर है। हकेवि कुलपति ने इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी पर हर्ष व्यक्त करते हुए ह्यअंतर्विषयक अनुसंधान और ह्यअंतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्त्व पर जोर दिया। कुलपति ने युवा शोधकर्ताओं से मेटेरियल साइंस में नवीन अनुसंधान और नवाचारों में



तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते प्रो. राजीव आहूजा।

सक्रिय रूप से योगदान देने का आह्वान किया। आयोजन में विशिष्ट अतिथि प्रो. रवि कुमार ने ह्यपी-टाइप ट्रांसपेरेंट कंडक्टिंग और मेमेटिक अक्साइड मेटेरियल पर चर्चा की, जो ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रॉनिक्स तथा चुंबकीय उपकरणों में उपयोगी हो सकते हैं। इसी क्रम में प्रो. अमिता चंद्रा ने ह्यऊर्जा उपकरणों के लिए पी-टाइप पॉलिमर इलेक्ट्रोलाइट्स पर अपने अनुसंधान को प्रतिभागियों के समक्ष प्रस्तुत किया। सम्मेलन को संयोजक

और भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और सम्मेलन की रूपरेखा से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने वैज्ञानिक सहयोग को बढ़ावा देने में आयोजन की भूमिका पर जोर दिया। आयोजन के सह-संयोजक और हकेवि के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की और विश्वविद्यालय की सतत विकास

लक्ष्यों से जुड़े अनुसंधान को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दोहराया। उद्घाटन सत्र के पश्चात दूसरे सत्र में एमआईटी, पोलैंड की डॉ. मार्टा एमडी, सीएसआईआर-एनपीएल, दिल्ली के डॉ. गोविंद गुप्ता, यूजीसी-डीएई सीएसआर, इंदौर के दिनेश कुमार शुक्ला, हकेवि के डॉ. अमित ने तकनीकी व्याख्यान दिए। सांस्कृतिक सत्र में सम्मेलन में प्रतिभागिता कर रहे वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं ने ज्ञानवर्धक प्रस्तुतियाँ दीं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala

Date: 14-02-2025

विकास में मेटेरियल साइंस की भूमिका बताई



महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग द्वारा एडवांसमेंट्स इन मेटेरियल साइंस फार सस्टेनेबल डेवलपमेंट (एआईएमएस) 2025 विषय पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का वीरवार को शुभारंभ किया गया। उद्घाटन सत्र में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा मुख्य अतिथि थे। एनआईटी हमीरपुर के प्रो. रवि कुमार और दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रो. अमिता चंद्रा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। आयोजन में 200 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए। प्रो. राजीव आहूजा ने सस्टेनेबल टेक्नालॉजी के विकास में मेटेरियल साइंस की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने सुपरकंडक्टिव मेटेरियल की विजली संचरण, ऊर्जा भंडारण के लिए उपयोग करने की संभावनाओं पर चर्चा की। आयोजन में विशिष्ट अतिथि प्रो. रवि कुमार ने मेग्नेटिक ऑक्साइड मेटेरियल पर चर्चा की। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar

Date: 14-02-2025

सतत विकास में मेटेरियल साइंस की भूमिका अहम : प्रो. राजीव



भारत न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) के भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग द्वारा 'एडवांसमेंट्स इन मेटेरियल साइंस फोर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (एआईएमएस) 2025' विषय पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का गुरुवार को शुभारंभ हो गया।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा मुख्य अतिथि तथा एनआईटी हमीरपुर के प्रो. रवि कुमार और दिल्ली विवि की प्रो. अमिता चंद्रा विशिष्ट अतिथि रहीं। अध्यक्षता कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। आयोजन में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से संबद्ध 200 से अधिक प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। मुख्य अतिथि प्रो. राजीव आहूजा ने अपने संबोधन में 'सुपरकंडक्टिव मेटेरियल' की

बिजली संचरण, मैगलेव ट्रेस और ऊर्जा भंडारण के लिए उपयोग करने की संभावनाओं पर चर्चा की। आयोजन में विशिष्ट अतिथि प्रो. रवि कुमार ने 'पी-टाइप ट्रांसपेरेंट कंडक्टिंग और मैग्नेटिक ऑक्साइड मेटेरियल' पर चर्चा की।

इसी क्रम में प्रो. अमिता चंद्रा ने 'ऊर्जा उपकरणों के लिए पी-टाइप पॉलिमर इलेक्ट्रोलाइट्स' पर अपने अनुसंधान को प्रतिभागियों के समक्ष प्रस्तुत किया। सम्मेलन की संयोजक और भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सम्मेलन की रूपरेखा से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उद्घाटन सत्र के पश्चात दूसरे सत्र में एमआईटी, पोलैंड की डॉ. मार्टा एमडी, सीएसआईआर -एनपीएल, दिल्ली के डॉ. गोविंद गुप्ता, यूजीसी-डीएई सीएसआर, इंदौर के दिनेश कुमार शुक्ला, हकेवि के डॉ. अमित ने तकनीकी व्याख्यान दिए।

सतत विकास में मेटेरियल साइंस की भूमिका महत्त्वपूर्ण: प्रो. राजीव आहूजा

हकेवि में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ शुभारंभ

महेन्द्रगढ़, चेतना संवाददाता। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेन्द्रगढ़ के भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग द्वारा 'एडवांसमेंट्स इन मेटेरियल साइंस फोर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (एआईएमएस) 2025' विषय पर केंद्रित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का गुरुवार को शुभारंभ हो गया। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा मुख्य अतिथि तथा एनआईटी हमीरपुर के प्रो. रवि कुमार और 'दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रो. अमिता चंद्रा' विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता हकेवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। आयोजन में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों से संबद्ध 200 से अधिक प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं।

मुख्य अतिथि प्रो. राजीव



आहूजा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी के विकास में मेटेरियल साइंस की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने अपने संबोधन में 'सुपरकंडक्टिव मेटेरियल' की बिजली संचरण, मैगलेव ट्रेस और ऊर्जा भंडारण के लिए उपयोग करने की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने भारत के 'नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन' के अंतर्गत 'हाइड्रोजन वैली प्लेटफॉर्म' और 'गति शक्ति भारत कार्यक्रम' पर भी विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि

किस तरह से इसके माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा और सतत विकास की दिशा में भारत अग्रसर है। हकेवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी पर हर्ष व्यक्त करते हुए 'अंतर्विषयक अनुसंधान' और 'अंतर्राष्ट्रीय सहयोग' के महत्त्व पर जोर दिया। कुलपति ने युवा शोधकर्ताओं से मेटेरियल साइंस में नवीन अनुसंधान और नवाचारों में सक्रिय रूप से योगदान देने का आह्वान किया।

आयोजन में विशिष्ट अतिथि प्रो. रवि कुमार ने 'पी-टाइप

ट्रांसपेरेंट कंडक्टिंग और मेग्नेटिक ऑक्साइड मेटेरियल' पर चर्चा की, जो ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रॉनिक तथा चुंबकीय उपकरणों में उपयोगी हो सकते हैं। इसी क्रम में प्रो. अमिता चंद्रा ने 'ऊर्जा उपकरणों के लिए पी-टाइप पॉलिमर इलेक्ट्रोलाइट्स' पर अपने अनुसंधान को प्रतिभागियों के समक्ष प्रस्तुत किया। सम्मेलन की संयोजक और भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और सम्मेलन की रूपरेखा से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने वैज्ञानिक सहयोग को बढ़ावा देने में आयोजन की भूमिका पर जोर दिया। आयोजन के सह-संयोजक और हकेवि के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की और विश्वविद्यालय की सतत विकास लक्ष्यों से जुड़े अनुसंधान को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दोहराया।

सतत विकास में मेटेरियल साइंस की भूमिका महत्त्वपूर्ण : प्रो. राजीव आहूजा

■ हकेवि में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ शुभारंभ।

सुरेंद्र चौधरी, गुडगांव टुडे

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग द्वारा 'एडवॉंसमेंट्स इन मेटेरियल साइंस फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (एआईएमएस) 2025' विषय पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का गुरुवार को शुभारंभ हो गया। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा मुख्य अतिथि तथा एनआईटी हमीरपुर के प्रो. रवि कुमार और 'दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रो. अमिता चंद्रा' विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता हकेवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन और नाभिकीय विज्ञान अनुसंधान बोर्ड के सहयोग से आयोजित इस तीन दिवसीय सम्मेलन में विभिन्न राष्ट्रीय और



हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि प्रो. राजीव आहूजा को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से संबद्ध 200 से अधिक प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। मुख्य अतिथि प्रो. राजीव आहूजा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी के विकास में मेटेरियल साइंस की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने अपने संबोधन में 'सुपरकंडक्टिव मेटेरियल' की बिजली संचरण, मैगलेव ट्रेस और ऊर्जा भंडारण के लिए उपयोग करने की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने भारत के 'नेशनल

ग्रोन हाइड्रोजन मिशन' के अंतर्गत 'हाइड्रोजन वैली प्लेटफॉर्म' और 'गति शक्ति भारत कार्यक्रम' पर भी विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि किस तरह से इसके माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा और सतत विकास की दिशा में भारत अग्रसर है। हकेवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी पर हर्ष व्यक्त करते हुए 'अंतर्विषयक अनुसंधान' और 'अंतरराष्ट्रीय सहयोग' के महत्त्व पर जोर दिया। कुलपति ने युवा शोधकर्ताओं से मेटेरियल साइंस

में नवीन अनुसंधान और नवाचारों में सक्रिय रूप से योगदान देने का आह्वान किया। आयोजन में विशिष्ट अतिथि प्रो. रवि कुमार ने 'पी-टाइप ट्रांसपेरेंट कंडक्टिंग और मेमेटिक ऑक्सिड मेटेरियल' पर चर्चा की, जो ऑटोइलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रॉनिक तथा चुंबकीय उपकरणों में उपयोगी हो सकते हैं। इसी क्रम में प्रो. अमिता चंद्रा ने 'ऊर्जा उपकरणों के लिए पी-टाइप पॉलिमर इलेक्ट्रोलाइट्स' पर अपने अनुसंधान को प्रतिभागियों के समक्ष प्रस्तुत किया।

सम्मेलन की संयोजक और भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और सम्मेलन की रूपरेखा से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने वैज्ञानिक सहयोग को बढ़ावा देने में आयोजन की भूमिका पर जोर दिया। आयोजन के सह-संयोजक और हकेवि के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की और विश्वविद्यालय

की सतत विकास लक्ष्यों से जुड़े अनुसंधान को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दोहराया। उद्घाटन सत्र के पश्चात दूसरे सत्र में एमआईटी, पोलैंड की डॉ. मार्टा एमडी, सीएसआईआर-एनपीएल, दिल्ली के डॉ. गोविंद गुप्ता, यूजीसी-डीएई सीएसआर, इंदौर के दिनेश कुमार शुक्ला, हकेवि के डॉ. अमित ने तकनीकी व्याख्यान दिए। सांयकालीन सत्र में सम्मेलन में प्रतिभागीता कर रहे वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं ने ज्ञानवर्धक प्रस्तुतियां दीं।



कार्यक्रम

हकेवि में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ

नवीन अनुसंधान और नवाचारों में सक्रिय रूप से योगदान देने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज़ महेंद्रगढ़

सतत विकास में मेटेरियल साइंस की भूमिका महत्वपूर्ण : प्रो. राजीव आहूजा

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के भौतिकी व खगोल भौतिकी विभाग की ओर से एडवांसमेंट्स इन मेटेरियल साइंस फोर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (एआईएमएस) 2025 विषय पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का गुरुवार को शुभारंभ हो गया। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा मुख्यातिथि तथा एनआईटी हमीरपुर के प्रो. रवि कुमार और दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रो. अमिता चंद्रा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता हकेवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। आयोजन में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से संबद्ध 200 से अधिक



महेंद्रगढ़। मुख्यातिथि प्रो. राजीव आहूजा को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति।

प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। मुख्यातिथि प्रो. राजीव आहूजा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी के विकास में मेटेरियल साइंस की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने अपने संबोधन में सुपरकंडक्टिव मेटेरियल की बिजली संचरण,

मैगलेव ट्रेस और ऊर्जा भंडारण के लिए उपयोग करने की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने भारत के नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के अंतर्गत हाइड्रोजन वैली प्लेटफॉर्म और गति शक्ति भारत कार्यक्रम पर भी विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि किस तरह से इसके

माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा और सतत विकास की दिशा में भारत अग्रसर है। हकेवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को मेजबानी पर हर्ष व्यक्त करते हुए अंतर्विषयक अनुसंधान और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्त्व पर जोर दिया। कुलपति ने युवा शोधकर्तारों से मेटेरियल साइंस में नवीन अनुसंधान और नवाचारों में सक्रिय रूप से योगदान देने का आह्वान किया। आयोजन में विशिष्ट अतिथि प्रो. रवि कुमार ने पी-टाइप ट्रांसपेरेंट कंडक्टिंग और मेग्नेटिक ऑक्साइड मेटेरियल पर चर्चा की, जो ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रॉनिक तथा चुंबकीय उपकरणों में उपयोगी हो सकते हैं। इसी क्रम में प्रो. अमिता चंद्रा ने ऊर्जा उपकरणों के लिए पी-टाइप पॉलिमर इलेक्ट्रोलाइट्स पर अपने

अनुसंधान को प्रतिभागियों के समक्ष प्रस्तुत किया। सम्मेलन की संयोजक और भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने वैज्ञानिक सहयोग को बढ़ावा देने में आयोजन की भूमिका पर जोर दिया। आयोजन के सह-संयोजक और हकेवि के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की और विश्वविद्यालय की सतत विकास लक्ष्यों से जुड़े अनुसंधान को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दोहराया। उद्घाटन सत्र के पश्चात दूसरे सत्र में एमआईटी, पोलैंड की डॉ. मार्टा एमडी, सीएसआईआर-एनपीएल, दिल्ली के डॉ. गोविंद गुप्ता, यूजीसी-डीएई सीएसआर, इंदौर के दिनेश कुमार शुक्ला, हकेवि के डॉ. अमित ने तकनीकी व्याख्यान दिए।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: India News Calling

Date: 14-02-2025

Material Science plays an important role in sustainable technology: Prof. Rajeev Ahuja



MAHENDERGARH, 13.02.25-The International Conference on Advancements in Material Science for Sustainable Development (AIMS-2025), organized by the Department of Physics and Astrophysics, Central University of Haryana (CUH), commenced on Thursday with a strong focus on cutting-edge research and global sustainability. The three-day conference, held under the patronage of Vice Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar, aims to foster discussions on recent advancements in material science and sustainable development. The event is co-sponsored by the Anusandhan National Research Foundation (ANRF), the Board of Research in Nuclear Sciences (BRNS), and various industry partners, with participation from over 200 national and international delegates. Prof. Rajeev Ahuja, Director, IIT Ropar, graced the inaugural session as Chief Guest, emphasizing material science's role in sustainable technologies.

His plenary talk highlighted superconductive materials for power transmission, maglev trains, and energy storage. He also discussed India's Hydrogen Valley Platform under the National Green Hydrogen Mission and the Gati Shakti Bharat program for infrastructure development, underscoring India's commitment to clean energy and sustainability.

The session also featured Prof. Ravi Kumar from NIT Hamirpur and Prof. Amita Chandra from the University of Delhi as Guests of Honour. Prof. Ravi Kumar discussed p-type transparent conducting and magnetic oxide materials for

optoelectronics, sparking discussions on electronic and magnetic devices. In her keynote address, Prof. Amita Chandra showcased pioneering research on p-type polymer electrolytes for energy devices.

Prof. Tankeshwar Kumar, expressed his delight at hosting such a prestigious conference at CUH. He emphasized the importance of interdisciplinary research and international cooperation in addressing contemporary scientific challenges. He also encouraged young researchers to actively participate and contribute to groundbreaking innovations in material science.

Earlier, while addressing the gathering, Prof. Sunita Srivastava, Head of the Department of Physics and Astrophysics and Convenor of AIMS-2025, welcomed all participants and outlined the conference's objectives, stressing its significance in fostering scientific collaborations. Prof. Suneel Kumar, Registrar, CUH, and Co-convenor of the conference, acknowledged the efforts of the organizing team and reiterated the university's commitment to fostering research that aligns with global sustainability goals.

In the afternoon session, Dr. Marta MD (MIT, Poland), Dr. Govind Gupta (CSIR-NPL, Delhi), Dinesh Kumar Shukla (UGC-DAE CSR, Indore), and Dr. Amit (CUH) delivered technical talks. In the evening session, scientists and researchers from renowned institutions worldwide deliver insightful talks in two parallel sessions, further enriching the academic discourse. The day concluded on a vibrant note with a Cultural Programme, where university students showcased a variety of regional dances, reflecting the rich cultural heritage of India.

With a dedicated team of faculty members and research scholars working tirelessly to ensure the success of the event, AIMS-2025 is poised to be a significant step toward strengthening scientific discourse and collaboration in the field of material science.

सतत विकास में मेटेरियल साइंस की भूमिका महत्वपूर्ण : प्रो. राजीव आहूजा

● हकेवि में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ शुभारंभ

महेंद्रगढ़, प्रताप सिंह शास्त्री (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग द्वारा एडवांसमेंट्स इन मेटेरियल साइंस फोर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (एआईएमएस) 2025 विषय पर केंद्रित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का गुरुवार को शुभारंभ हो गया। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा मुख्यातिथि तथा एनआईटी हमीरपुर के प्रो. रवि कुमार और दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रो. अमिता चंद्रा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता हकेवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने



की। आयोजन में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से संबद्ध 200 से अधिक प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। मुख्यातिथि प्रो. राजीव आहूजा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी के विकास में मेटेरियल साइंस की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने अपने संबोधन में सुपरकंडक्टिव मेटेरियल की बिजली संचरण, मैगलेव ट्रेस और ऊर्जा भंडारण के लिए उपयोग करने की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने भारत के नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के अंतर्गत हाइड्रोजन वैली

प्लेटफॉर्म और गति शक्ति भारत कार्यक्रम पर भी विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि किस तरह से इसके माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा और सतत विकास की दिशा में भारत अग्रसर है। हकेवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी पर हर्ष व्यक्त करते हुए अंतर्विषयक अनुसंधान और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर जोर दिया। कुलपति ने युवा शोधकर्ताओं से मेटेरियल साइंस में नवीन अनुसंधान और नवाचारों में सक्रिय रूप से योगदान देने का आह्वान किया।



Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj

Date: 15-02-2025

भौतिकी, दर्शन और गणितीय अवधारणाओं से अवगत हुए प्रतिभागी

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के भौतिकी एवं खगोलभौतिकी विभाग द्वारा ह्याएडवांसमेंट्स इन मटेरियल साइंस फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (एआईएमएस-2025) ह्य पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. ओ.एस.के.एस. शास्त्री ने विज्ञान और आध्यात्मिकता पर केंद्रित व्याख्यान दिया। उनके विचारों ने प्रतिभागियों की भौतिकी, दर्शन और गणितीय अवधारणाओं पर संवाद करने के लिए प्रेरित किया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन में अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एनआरएफ), बोर्ड ऑफ रिसर्च



विशेषज्ञ वक्ता को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए आयोजन की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव।

इन न्यूक्लियर साइंसेज (बीआरएनएस) और विभिन्न उद्योग भागीदारों द्वारा सहप्रायोजित इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय

सम्मेलन के दूसरे दिन के तकनीकी सत्र की अध्यक्षता चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के प्रो. वीरपाल सिंह ने की। इस सत्र में इमर्जिंग

मटेरियल एंड टेक्नोलॉजी पर विशेषज्ञ वाताओं का आयोजन किया गया। एनआईटी, कुरुक्षेत्र के प्रो. अश्वनी कुमार ने ईएमआई शीलिंग के लिए कार्बन-आधारित संकलन पर विस्तार से प्रकाश डाला।

तत्पश्चात सेंट्रल कनेक्टिविटी स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए के प्रो. राहुल सिंघल ने सुपरकैपेसिटर सामग्री पर चर्चा की। इसी क्रम में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली की प्रो. अमिता दास ने लेजर-प्लाज्मा इंटरएक्शन और ऊर्जा और सामग्री विज्ञान में इसके नवोन्मेषी अनुप्रयोगों पर प्रकाश डाला। दूसरे दिन तकनीकी सत्रों में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के प्रो. वीरपाल सिंह; यूपीईएस, देहगढ़ के प्रो. शलेंद्र सिंह; आईआईटी-आईएसएम, धनबाद के प्रो. कौशल कुमार; केएनयूटीबी, थाईलैंड के प्रो.

संजय रंगप्पा; जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली के प्रो. पवन कुलरिया, पीएल, साउथ कोरिया के डॉ. मनीष कुमार ने विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। पोस्टर सत्र में उन्नत सामग्री, ऊर्जा भंडारण और फोटोनिक अनुप्रयोगों पर अभिनव शोध भी प्रदर्शित किए गए। सम्मेलन की संयोजक व भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व सह-संयोजक व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विशेषज्ञों व प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एआईएमएस-2025 भविष्य में नवाचार और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने के रूप में एक केंद्र के रूप में कार्य करता रहेगा। उन्होंने बताया कि इस तीन दिवसीय सम्मेलन में देश-विदेश के 200 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala

Date: 15-02-2025

ईएमआई शील्डिंग के लिए कार्बन आधारित संकलन पर प्रकाश डाला



वक्ता को स्मृति चिह्न भेंट करतीं आयोजन संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव स्रोत: हकेंवि

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग द्वारा एडवांसमेंट्स इन मेटेरियल साइंस फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (एआईएमएस-2025) पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. ओएसकेएस शास्त्री ने विज्ञान और आध्यात्मिकता पर केंद्रित व्याख्यान दिया।

तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन के तकनीकी सत्र की अध्यक्षता चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

के प्रो. बीरपाल सिंह ने की। सत्र में इमर्जिंग मटिरियल एंड टेक्नोलॉजी पर विशेषज्ञ वार्ताओं का आयोजन किया गया। प्रो. अश्वनी कुमार ने ईएमआई शील्डिंग के लिए कार्बन आधारित संकलन पर प्रकाश डाला।

तत्पश्चात सेंट्रल कनेक्टिविटी स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए के प्रो. राहुल सिंघल ने सुपरकैपेसिटर सामग्री पर चर्चा की। प्रो. अमिता दास ने लेजर-प्लाज्मा इंटरएक्शन और ऊर्जा और सामग्री विज्ञान में इसके नवोपेक्षी अनुप्रयोगों पर प्रकाश डाला। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar

Date: 15-02-2025

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन मैटेरियल साइंस में अग्रणी अनुसंधान का किया प्रदर्शन

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग द्वारा 'एडवांसमेंट्स इन मैटेरियल साइंस फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (एआईएमएस-2025)' पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. ओएस केएस शास्त्री ने विज्ञान और आध्यात्मिकता पर केंद्रित व्याख्यान दिया। उनके विचारों ने प्रतिभागियों की भौतिकी, दर्शन और गणितीय अवधारणाओं पर संवाद करने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन में अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ), बोर्ड ऑफ रिसर्च इन न्यूक्लियर साइंसेज (बीआरएनएस) और विभिन्न उद्योग भागीदारों द्वारा सह प्रायोजित इस तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन के तकनीकी सत्र की अध्यक्षता चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के प्रो. बीरपाल सिंह ने की। इस सत्र में इमर्जिंग मैटेरियल एंड टेक्नोलॉजी पर विशेषज्ञ वार्ताओं का आयोजन किया गया। दूसरे दिन तकनीकी सत्रों में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के प्रो. बीरपाल सिंह; यूपीईएस, देहरादून के प्रो. शर्लेन्द्र सिंह; आईआईटी-आईएसएम, धनबाद के प्रो. कौशल कुमार; केएनयूटीबी, थाईलैंड के प्रो. संजय रंगप्पा; जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली के प्रो. पवन कुलरिया, पीएएल, साउथ कोरिया के डॉ. मनीष कुमार ने विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। पोस्टर सत्र में उन्नत सामग्री, ऊर्जा भंडारण और फोटोनिक अनुप्रयोगों पर अभिनव शोध भी प्रदर्शित किए गए। इस तीन दिवसीय सम्मेलन में देश-विदेश के 200 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

भौतिकी, दर्शन और गणितीय अवधारणाओं से अवगत हुए प्रतिभागी

■ हकेवि में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन मटेरियल साइंस में अग्रणी अनुसंधान का किया प्रदर्शन।

सुरेंद्र चौधरी, गुड़गांव टुडे

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग द्वारा 'एडवांसमेंट्स इन मटेरियल साइंस फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (एआईएमएस-2025)' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. ओ.एस.के.एस. शास्त्री ने विज्ञान और आध्यात्मिकता पर केंद्रित व्याख्यान दिया। उनके विचारों ने प्रतिभागियों की भौतिकी, दर्शन और गणितीय अवधारणाओं पर संवाद



करने के लिए प्रेरित किया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन में अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ), बोर्ड ऑफ रिसर्च इन न्यूक्लियर साइंसेज (बीआरएनएस) और विभिन्न उद्योग भागीदारों द्वारा सहप्रायोजित इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन के तकनीकी सत्र की अध्यक्षता चौधरी चरण सिंह

विश्वविद्यालय, मेरठ के प्रो. बीरपाल सिंह ने की। इस सत्र में इमर्जिंग मटेरियल एंड टेक्नोलॉजी पर विशेषज्ञ वार्ताओं का आयोजन किया गया। एनआईटी, कुरुक्षेत्र के प्रो. अश्वनी कुमार ने ईएमआई शीलिंग के लिए कार्बन-आधारित संकलन पर विस्तार से प्रकाश डाला। तत्पश्चात सेंट्रल कनेक्टिविटी स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए के प्रो. राहुल सिंघल ने

सुपरकैपेसिटर सामग्री पर चर्चा की। इसी क्रम में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली की प्रो. अमिता दास ने लेजर-प्लाज्मा इंटरएक्शन और ऊर्जा और सामग्री विज्ञान में इसके नवोन्मेषी अनुप्रयोगों पर प्रकाश डाला। दूसरे दिन तकनीकी सत्रों में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के प्रो. बीरपाल सिंह; यूपीईएस, देहरादून के प्रो. शलेंद्र सिंह; आईआईटी-

आईएसएम, धनबाद के प्रो. कौशल कुमार; केएनयूटीबी, थाईलैंड के प्रो. संजय रंगप्पा; जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली के प्रो. पवन कुलरिया, पीएएल, साउथ कोरिया के डॉ. मनीष कुमार ने विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। पोस्टर सत्र में उन्नत सामग्री, ऊर्जा भंडारण और फोटोनिक अनुप्रयोगों पर अभिनव शोध भी प्रदर्शित किए गए। सम्मेलन की संयोजक व भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व सह-संयोजक व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विशेषज्ञों व प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एआईएमएस-2025 भविष्य में नवाचार और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने के रूप में एक केंद्र के रूप में कार्य करता रहेगा। उन्होंने बताया कि इस तीन दिवसीय सम्मेलन में देश-विदेश के 200 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

भौतिकी, दर्शन और गणितीय अवधारणाओं से अवगत हुए प्रतिभागी

हैलो रेवाड़ी संवाददाता

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के भौतिकी एवं खगोलभौतिकी विभाग द्वारा 'एडवांसमेंट्स इन मटेरियल साइंस फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (एआईएमएस-2025)' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. ओ.एस.के.एस. शास्त्री ने विज्ञान और आध्यात्मिकता पर केंद्रित व्याख्यान दिया। उनके विचारों ने प्रतिभागियों की भौतिकी, दर्शन और गणितीय अवधारणाओं पर संवाद करने के लिए प्रेरित किया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन में अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एनआरएफ), बोर्ड ऑफ रिसर्च इन न्यूक्लियर साइंसेज (बीआरएनएस) और विभिन्न उद्योग भागीदारों द्वारा सहप्रायोजित इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन के तकनीकी सत्र की अध्यक्षता चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के प्रो. बीरपाल सिंह ने की। इस सत्र में इमर्जिंग मटेरियल एंड टेक्नोलॉजी पर विशेषज्ञ वार्ताओं का आयोजन किया गया। एनआईटी, कुरुक्षेत्र के प्रो. अश्वनी कुमार ने



ईएमआई शीलिंग के लिए कार्बन-आधारित संकलन पर विस्तार से प्रकाश डाला। तत्पश्चात सेंट्रल कनेक्टकट स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए के प्रो. राहुल सिंघल ने सुपरकैपेसिटर सामग्री पर चर्चा की। इसी क्रम में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली की प्रो. अमिता दास ने

लेजर-प्लाज्मा इंटरएक्शन और ऊर्जा और सामग्री विज्ञान में इसके नवोन्मेषी अनुप्रयोगों पर प्रकाश डाला।

दूसरे दिन तकनीकी सत्रों में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के प्रो. बीरपाल सिंह; यूपीईएस, देहरादून के प्रो. शलेंद्र सिंह; आईआईटी-आईएसएम, धनबाद के प्रो. कौशल कुमार; केएनयूटीबी, थाईलैंड के प्रो. संजय रंगप्पा; जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली के प्रो. पवन कुलरिया, पीएल, साउथ कोरिया के डॉ. मनीष कुमार ने विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। पोस्टर सत्र में उन्नत सामग्री, ऊर्जा भंडारण और फोटोनिक अनुप्रयोगों पर अभिनव शोध भी प्रदर्शित किए गए।

सम्मेलन की संयोजक व भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व सह-संयोजक व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विशेषज्ञों व प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एआईएमएस-2025 भविष्य में नवाचार और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने के रूप में एक केंद्र के रूप में कार्य करता रहेगा। उन्होंने बताया कि इस तीन दिवसीय सम्मेलन में देश-विदेश के 200 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: The Home Pages

Date: 15-02-2025

CUH, Farmer Producer Company to work together for Biofertilizer production

HOME PAGES NEWS SERVICE

MAHENDERGARH, FEB 14 : Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh, has signed its first Technology License Agreement with M/S RCICO Liveable Seven Blu Reform Farmer Producer Company Limited, Jhajjar, for its innovative Phosphate and Potassium Solubilizing Bacterial (PPSB) formulation. This significant collaboration marks a step forward in advancing sustainable agricultural practices by enhancing soil fertility and crop productivity.

Speaking on the occasion, Prof. (Dr.) Tankeshwar

Kumar, Vice-Chancellor, Central University of Haryana, stated, "This agreement is a testament to CUH's commitment to fostering research-driven solutions for real-world challenges. The biofertilizer formulation developed by microbiology department will help farmers improve soil health and optimize nutrient availability, ultimately leading to sustainable and eco-friendly farming practices."

On behalf of M/S RCICO Liveable Seven Blu Reform Farmer Producer Company Limited, Sanjay Jakhar, Director, shared his vision for the collaboration: "We are honored to partner with



Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor, CUH and Mr. Sanjay Jakhar handing over the agreement. HP PHOTO

CUH to bring this innovative technology to farmers. This formulation will empower cultivators by improving soil fertility and ensuring better

yields, thereby contributing to increased agricultural productivity and sustainability." Prof. Suneel Kumar,

Registrar, CUH, emphasized the importance of academia-industry collaboration, remarking, "This agreement demonstrates how universities can translate scientific research into tangible benefits for the agricultural sector. By licensing our technology to a dedicated farmer-producer company, we ensure that innovative solutions reach the grassroots level." Prof. Pawana Kumar Sharma, Dean, Research & Development, CUH, highlighted the role of such partnerships in enhancing technology transfer and commercialization. "Our research ecosystem is designed to facilitate

groundbreaking innovations. This licensing agreement is an excellent example of how our research can contribute directly to agricultural advancement," he said.

The inventor of the biofertilizer formulation, Prof Surender Singh of Microbiology Department expressed enthusiasm about the potential impact of this technology.

"This formulation enhances the bioavailability of essential nutrients like phosphate and potassium, reducing dependency on chemical fertilizers and promoting sustainable agriculture. It is heartening to see our research being

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: India News Calling

Date: 15-02-2025

CUH Showcases Pioneering Research in Material Science- Day two of AIMS-2025 at CUH

February 14, 2025 07:22 PM



Mahendergarh, 14.02.25-The second day of the International Conference on Advancements in Material science for Sustainable Development (AIMS-2025), organized by the Department of Physics and Astrophysics, Central University of Haryana (CUH), continued with insightful technical sessions and engaging discussions. The conference, under the patronage of Vice Chancellor Prof. Tankeshwar

Kumar, is co-sponsored by the Anusandhan National Research Foundation (ANRF), the Board of Research in Nuclear Sciences (BRNS), and various industry partners, bringing together over 200 national and international delegates.

The day commenced with technical session, chaired by Prof. Beerpal Singh (Chaudhary Charan Singh University, Meerut), featuring expert talks on emerging materials and technologies. Prof. Ashavani Kumar (NIT Kurukshetra) presented carbon-based composites for EMI shielding followed by Prof. Rahul Singhal (Central Connecticut State University, USA) with discussions on supercapacitor materials. Prof. Amita Das (IIT Delhi) delivered a compelling talk on laser-plasma interactions for sustainable development, highlighting novel applications in energy and material science.

Parallel technical sessions featured insights from leading researchers, including Prof. Beerpal Singh (Chaudhary Charan Singh University, Meerut), Prof. Shalendra Kumar (UPES, Dehradun), Prof. Kaushal Kumar (IIT-ISM Dhanbad), Prof. Sanjay Rangappa (KNUTB Thailand), Prof. Pawan Kulriya (JNU New Delhi), and Dr. Manish Kumar (PAL, South Korea). The afternoon poster session showcased innovative research on advanced materials, energy storage, and photonic applications.

The day's academic proceedings concluded with a Popular Talk by Prof. O.S.K.S. Sastri, Central University of Himachal Pradesh, where Prof. Sastri presented a unique perspective on science and spirituality. His insights sparked engaging discussions among attendees, blending physics, philosophy, and mathematical concepts.

The day concluded with a lively networking dinner, providing delegates with an opportunity to connect and collaborate on future research endeavors. Convener Prof. Sunita Srivastava (Head, Department of Physics and Astrophysics) and Co-convener Prof. Suneel Kumar (Registrar, Central University of Haryana) expressed their appreciation for the enthusiastic participation and meaningful discussions. AIMS-2025 continues to serve as a hub for pioneering research and global collaboration, fostering innovations for a more sustainable future.

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navoday Times

Date: 15-02-2025

भौतिकी, दर्शन और गणितीय अवधारणाओं से अवगत हुए प्रतिभागी

महेंद्रगढ़, 14 फरवरी (ब्यूरो) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के भौतिकी एवं खगोलभौतिकी विभाग द्वारा 'एडवांसमेंट्स इन मटेरियल साइंस फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (एआईएमएस-2025)' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. ओ.एस.के.एस. शास्त्री ने विज्ञान और आध्यात्मिकता पर केंद्रित व्याख्यान दिया। उनके विचारों ने प्रतिभागियों की भौतिकी, दर्शन और गणितीय अवधारणाओं पर संवाद करने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन में अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ), बोर्ड ऑफ रिसर्च इन न्यूक्लियर साइंसेज (बीआरएनएस) और विभिन्न उद्योग भागीदारों द्वारा सहप्रायोजित इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन के तकनीकी सत्र की अध्यक्षता चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के प्रो. बीरपाल सिंह ने की। इस सत्र में इमर्जिंग मटेरियल एंड टेक्नोलॉजी पर विशेषज्ञ वार्ताओं का आयोजन किया गया। एनआईटी, कुरुक्षेत्र के प्रो. अश्वनी कुमार ने ईएमआई शीलिंग के लिए कार्बन-आधारित संकलन पर विस्तार से प्रकाश डाला। तत्पश्चात सेंट्रल कनेक्टिविटी स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए के प्रो. राहुल सिंघल ने सुपरकैपेसिटर सामग्री पर चर्चा की। इसी क्रम में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली की प्रो. अमिता दास ने लेज़र-प्लाज्मा इंटरएक्शन और ऊर्जा और सामग्री विज्ञान में इसके नवोन्मेषी अनुप्रयोगों पर प्रकाश डाला।

CUH Showcases Pioneering Research in Material Science

Vatika Times

Mahendergarh: The second day of the International Conference on Advancements in Material Science for Sustainable Development (AIMS-2025), organized by the Department of Physics and Astrophysics, Central University of Haryana (CUH), continued with insightful technical sessions and engaging discussions. The conference, under the patronage of Vice Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar, is co-sponsored by the Anusandhan National Research Foundation (ANRF), the Board of Research in Nuclear Sciences (BRNS), and various industry partners, bringing together over 200 national and international delegates. The day commenced with technical session, chaired by Prof. Beerpal Singh



(Chaudhary Charan Singh University, Meerut), featuring expert talks on emerging materials and technologies. Prof. Ashavani Kumar (NIT Kurukshetra) presented carbon-based composites for EMI shielding followed by Prof. Rahul Singhal (Central Connecticut State University, USA) with discussions on supercapacitor materials. Prof. Amita Das (IIT Delhi) delivered a compelling talk on laser-plasma interactions for sustainable development, highlighting novel applications in energy and

material science. Parallel technical sessions featured insights from leading researchers, including Prof. Beerpal Singh (Chaudhary Charan Singh University, Meerut), Prof. Shalendra Kumar (UPES, Dehradun), Prof. Kaushal Kumar (IIT-ISM Dhanbad), Prof. Sanjay Rangappa (KNUTB Thailand), Prof. Pawan Kulriya (JNU New Delhi), and Dr. Manish Kumar (PAL, South Korea). The afternoon poster session showcased innovative research on advanced materials, energy storage, and photonic applications.

भारत के विकास में मैटेरियल साइंस की भूमिका महत्वपूर्ण

हकेंवि में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एआईएमएस-2025 का समापन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 'एडवॉंसमेंट्स इन मैटेरियल साइंस फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (एआईएमएस-2025)' विषय पर केंद्रित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शनिवार को समापन किया।

अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ), बोर्ड ऑफ रिसर्च इन न्यूक्लियर साइंसेज (बीआरएनएस) और विभिन्न उद्योग भागीदारों द्वारा सम्मेलन का आयोजन भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम में देश-विदेश के 200 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए।

समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में अंतर विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र (आईयूएसी), नई दिल्ली के निदेशक प्रो. अविनाश चंद्र पांडेय उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से मैटेरियल साइंस के क्षेत्र में शोध कार्य को बल मिलेगा। भारत में सतत विकास के क्षेत्र में चुनौतियों से

200

से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए



अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व मुख्य अतिथि प्रो. अविनाश चंद्र पांडेय के साथ प्रतिभागी। स्रोत : हकेंवि

निपटने में मैटेरियल साइंस की भूमिका महत्वपूर्ण है। विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजन समिति और स्वयंसेवकों को इस सफल आयोजन में उनके प्रयासों के लिए सम्मानित किया।

समापन सत्र में सर्वोत्तम मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियों के लिए भी चयनित प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शोध अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार शर्मा उपस्थित रहे। अंतिम चरण में सम्मेलन संयोजक व भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सम्मेलन की रिपोर्ट प्रस्तुत की। कुलसचिव व सम्मेलन के सह-संयोजक प्रो. सुनील कुमार ने अंतर्विभागीय सहयोगी की महत्ता पर प्रकाश डाला।

तीन दिवसीय इस आयोजन के अंतिम

दिन में तकनीकी सत्र, पुरस्कार समारोह और समापन सत्र आयोजित किया गया। तकनीकी सत्रों में सेमीकंडक्टर सामग्री, थर्मोइलेक्ट्रिक्स, फोटोकॉमिक सामग्री और सतत नैनो संरचनाओं पर चर्चा की गई।

तकनीकी सत्रों में आईएनएसटी, मोहाली के प्रो. अबीर डे सरकार; सीएसआईआर-सीईईआरआई, पिलानी के प्रो. जितेंद्र सिंह; कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रो. आर.के. मुदगिल व प्रो. अन्नु शर्मा और पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला के डॉ. विनायक गर्ग ने अपने विचार प्रतिभागियों से साझा किए। पोस्टर सत्र ने मैटेरियल साइंस में सततता को बढ़ावा देने के लिए नवाचारी शोध से जुड़े विषय प्रस्तुत किए गए। बेस्ट पोस्टर अवार्ड कविता कुमारी, अंशुल शर्मा व रितु शर्मा ने जीता वहीं मौखिक प्रस्तुति में शालु गुप्ता, सुनिधि बडोला व अनिशा विजयी रहीं।

हकेंवि में तीन दिवसीय सम्मेलन एआईएमएस-2025 का समापन भारत के सतत विकास में मटेरियल साइंस की भूमिका महत्वपूर्ण : प्रो. अविनाश चंद्र

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में 'एडवांसमेंट्स इन मटेरियल साइंस फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (एआईएमएस-2025)' विषय पर केंद्रित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शनिवार को समापन हो गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन में अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एनआरएफ), बोर्ड ऑफ रिसर्च इन न्यूक्लियर साइंसेज (बीआरएनएस) और विभिन्न उद्योग भागीदारों द्वारा सह प्रायोजित इस तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग द्वारा सफलता पूर्वक किया गया। जिसमें देश-विदेश के 200 से अधिक प्रतिभागी सम्मिलित हुए। आयोजन के समापन सत्र में मुख्य



अतिथि के रूप अंतर विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र (आईयूसी), नई दिल्ली के निदेशक प्रो. अविनाश चंद्र पांडेय उपस्थित रहे। प्रो. अविनाश चंद्र पांडेय ने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से मटेरियल साइंस के क्षेत्र में शोध कार्य को बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि भारत में सतत विकास के क्षेत्र में चुनौतियों से निपटने में मटेरियल साइंस की भूमिका महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शोध अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार शर्मा उपस्थित रहे। आयोजन के अंतिम

चरण में सम्मेलन संयोजक व भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सम्मेलन की विस्तृत रिपोर्ट प्रतिभागियों के सम्मुख प्रस्तुत की। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव व सम्मेलन के सह-संयोजक प्रो. सुनील कुमार ने एआईएमएस-2025 के महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला। तीन दिवसीय इस आयोजन के अंतिम दिन में तकनीकी सत्र, पुरस्कार समारोह और समापन सत्र आयोजित किया गया। तकनीकी सत्रों में सेमी कंडक्टर सामग्री,

थर्मोइलेक्ट्रिक्स, फोटोकैमिक सामग्री और सतत नैनो संरचनाओं पर चर्चा की गई। तकनीकी सत्रों में आईएमएसटी, मोहली के प्रो. अबीर डे सरकार; सीएसआईआर-सीईईआरआई, पिलानी के प्रो. जितेंद्र सिंह; कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रो. आर.के. मुद्गिल व प्रो. अनु शर्मा और पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला के डॉ. विनायक गर्ग ने अपने विचार प्रतिभागियों से साझा किए। सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. रakesh कुमार ने अतिथियों, प्रतिभागियों, प्रायोजकों और आयोजन टीम का धन्यवाद किया। इस आयोजन की सफलता में डॉ. अंकुश विज, डॉ. जसवंत कुमार, डॉ. रामोवातार, डॉ. मीनू ठाकुर, डॉ. गौरव योगेश, प्रो. मनोज कुमार सिंह, डॉ. सविता बुधवार, डॉ. विकास सिवाच आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Chetna

Date: 16-02-2025

भारत के सतत विकास में मटेरियल साइंस की भूमिका महत्त्वपूर्ण: प्रो. पांडेय

हकेवि में तीन दिवसीय
अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन
एआईएमएस-2025 का
हुआ समापन
महेन्द्रगढ़। चेतना ब्यूरो।
हरियाणा केन्द्रीय
विश्वविद्यालय (हकेवि),

दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का
शनिवार को समापन हो गया।
विश्वविद्यालय कुलपति प्रो.
टंकेश्वर कुमार के निर्देशन में
अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान
फाउंडेशन (एएनआरएफ),
बोर्ड ऑफ रिसर्च इन न्यूक्लियर
साइंसेज (बीआरएनएस) और

भौतिकी विभाग द्वारा सफलता
पूर्वक किया गया। जिसमें देश-
विदेश के 200 से अधिक
प्रतिभागी सम्मिलित हुए।
आयोजन के समापन सत्र में
मुख्य अतिथि के रूप अंतर
विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र
(आईयूएसी), नई दिल्ली के

मटेरियल साइंस के क्षेत्र में शोध
कार्य को बल मिलेगा। उन्होंने
कहा कि भारत में सतत विकास
के क्षेत्र में चुनौतियों से निपटने
में मटेरियल साइंस की भूमिका
महत्त्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय
कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने
आयोजन समिति और
स्वयंसेवकों को इस सफल
आयोजन में उनके प्रयासों के
लिए सम्मानित किया। इसके
साथ-साथ समापन सत्र में
सर्वोत्तम मौखिक और पोस्टर
प्रस्तुतियों के लिए भी चयनित
प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया
गया। इस अवसर पर
विश्वविद्यालय के शोध
अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार शर्मा
की गरिमामयी उपस्थिति रही।
आयोजन के अंतिम चरण में
सम्मेलन संयोजक व भौतिकी
एवं खगोल भौतिकी विभाग की
विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता
श्रीवास्तव ने सम्मेलन की
विस्तृत रिपोर्ट प्रतिभागियों के
सम्मुख प्रस्तुत की।



महेन्द्रगढ़ में 'एडवांसमेंट्स इन
मटेरियल साइंस फॉर सस्टेनेबल
डेवलपमेंट (एआईएमएस-
2025)' विषय पर केंद्रित तीन

विभिन्न उद्योग भागीदारों द्वारा
सहप्रायोजित इस तीन दिवसीय
अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का
आयोजन भौतिकी एवं खगोल

निदेशक प्रो. अविनाश चंद्र
पांडेय उपस्थित रहे। प्रो.
अविनाश चंद्र पांडेय ने समापन
सत्र को संबोधित करते हुए इस
सफल आयोजन के लिए
आयोजकों की सराहना की और
कहा कि अवश्य ही इस
आयोजन के माध्यम से

भारत के सतत विकास में मटेरियल साइंस की भूमिका महत्वपूर्ण- प्रो. पांडेय

-हकेवि में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एआईएमएस-2025 का हुआ समापन

इ.मेल संवाददाता

महेंद्रगढ़, 15 फरवरी। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), में 'एडवॉसमेंट्स इन मटेरियल साइंस फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (एआईएमएस-2025)' विषय पर केंद्रित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शनिवार को समापन हो गया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन में अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ), बोर्ड ऑफ रिसर्च इन न्यूक्लियर साइंसेज (बीआरएनएस) और विभिन्न उद्योग भागीदारों द्वारा सहप्रायोजित इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग द्वारा सफलता पूर्वक किया गया। जिसमें देश-विदेश के 200 से अधिक प्रतिभागी सम्मिलित हुए। आयोजन के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप अंतर विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र (आईयूएसी), नई दिल्ली के निदेशक प्रो. अविनाश चंद्र पांडेय उपस्थित रहे।

प्रो. अविनाश चंद्र पांडेय ने समापन सत्र को संबोधित करते हुए इस सफल आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना की और कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से



मटेरियल साइंस के क्षेत्र में शोध कार्य को बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि भारत में सतत विकास के क्षेत्र में चुनौतियों से निपटने में मटेरियल साइंस की भूमिका महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजन समिति और स्वयंसेवकों को इस सफल आयोजन में उनके प्रयासों के लिए सम्मानित किया। इसके साथ-साथ समापन सत्र में सर्वोत्तम मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियों के लिए भी चयनित प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शोध अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार शर्मा की गरिमायुगी उपस्थिति रही। आयोजन के अंतिम चरण में सम्मेलन संयोजक व भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सम्मेलन की विस्तृत रिपोर्ट प्रतिभागियों के सम्मुख प्रस्तुत की। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव व सम्मेलन के

सह-संयोजक प्रो. सुनील कुमार ने एआईएमएस-2025 के महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए इसके माध्यम से उपलब्ध हुए अंतर्विभागीय सहयोगी की महत्ता पर प्रकाश डाला।

तीन दिवसीय इस आयोजन के अंतिम दिन में तकनीकी सत्र, पुरस्कार समारोह और समापन सत्र आयोजित किया गया। तकनीकी सत्रों में सेमीकंडक्टर सामग्री, थर्मोइलेक्ट्रॉक्स, फोटोकॉमिक सामग्री और सतत नैनो संरचनाओं पर चर्चा की गई। तकनीकी सत्रों में आईएनएसटी, मोहाली के प्रो. अबीर डे सरकार; सीएसआईआर-सीईईआरआई, पिलानी के प्रो. जितेंद्र सिंह; कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रो. आर.के. मुदगिल व प्रो. अनु शर्मा और पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला के डॉ. विनायक गर्ग ने अपने विचार प्रतिभागियों से साझा किए।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: The Home Pages

Date: 16-02-2025

International Conference AIMS-2025 Concludes at CUH

Material science plays a vital role for sustainable development: Prof. Pandey

HOME PAGES NEWS SERVICE

MAHENDERGARH, FEB 15:

The International Conference on Advancements in Material Science for Sustainable Development (AIMS-2025) at Central University of Haryana (CUH) concluded with great enthusiasm, marked by engaging discussions, research presentations, and a grand valedictory ceremony.

The three-day event, organized under the

semiconductor materials, thermoelectrics, photochromic materials and sustainable nanostructures. Eminent speakers, including Prof. Abir De Sarkar, INST Mohali; Prof. Jitendra Singh, CSIR-CEERI, Pilani; Prof. R.K. Moudgil, Kurukshetra University; Prof. Annu Sharama, Kurukshetra University and Dr. Vinayak Garg, Punjabi University, Patiala, shared their insights.

The poster session further highlighted innovative research

Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar, felicitated the organizing committee and volunteers for their commendable efforts in making the conference a success. Awards were presented for the best oral and poster presentations, recognizing outstanding contributions to material science research. Best poster award goes to Kavita Kumari, Anshul Sharma and Ritu Chauhan. Best Oral Presentation award goes to Shalu Gupta, Sunidhi Badola and Anisha. Prof.

advancing research. Expressing gratitude, Dr. Rakesh Kumar, Organizing Secretary, AIMS-2025, extended a vote of thanks to the dignitaries, participants, sponsors, and the dedicated organizing team. Faculty members, including Dr. Ankush Vij, Dr. Jaswant Kumar, Dr. Ramovatar, Dr. Meenu Thakur, Dr. Gaurav Yogesh, Prof. Manoj Kumar Singh, Dr. Savita Budhwar, Dr. Vikas Siwach, Dr. Jatinder, Dr. Ramandeep Kumar, Dr. Yashvir Kalkal, Dr. Rajni Bansal,



Participants with Vice Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar and Chief Guest Prof. Avinash Chandra Pandey during International Conference AIMS-2025 held at CUH, Mahendergarh on Saturday. HP PHOTO

patronage of Hon'ble Vice Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar by the Department of Physics and Astrophysics, saw participation from over 200 national and international delegates, fostering discussions on sustainable advancements in material science.

The final day featured technical sessions, an award ceremony, and a prestigious valedictory session. The technical sessions focused on

aimed at promoting sustainability in material science. In the valedictory session, Prof. Avinash Chandra Pandey, Director, Inter University Accelerator Centre, New Delhi, delivered the keynote address as the Chief Guest, emphasizing the crucial role of material science in addressing global challenges.

He said that the role of material science is vital to tackle the challenges towards the sustainable development of India.

Pawan Kumar Sharma, Dean Research further enhanced the grace of the event with their presence.

Prof. Sunita Srivastava, Convener of AIMS-2025 and Head, Department of Physics and Astrophysics, read a comprehensive report on the conference's key takeaways.

Prof. Suneel Kumar, Registrar, CUH & Co-convener, AIMS-2025, highlighted the importance of interdisciplinary collaboration in

Dr. Priya Rani, Dr. Swati, Dr. Pardeep, Dr. Sangeeta, and Dr. Suman played a crucial role in the seamless execution of the event.

With the successful conclusion of AIMS-2025, the conference has cemented its place as a premier platform for fostering innovation, research collaborations, and sustainable advancements in material science, further strengthening CUH's commitment to scientific progress.

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Impressive Times

Date: 16-02-2025

The role of material science is vital for sustainable development of India: Prof. Avinash Pandey



TIT Correspondent
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH The International Conference on Advancements in Material Science for Sustainable Development (AIMS-2025) at Central University of Haryana (CUH) concluded with great enthusiasm, marked by engaging discussions, research presentations, and a grand valedictory ceremony. The three-day event, organized under the patronage of Hon'ble Vice Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar by the Department of Physics and Astrophysics, saw participation from over 200 national and international delegates, fos-

tering discussions on sustainable advancements in material science. The final day featured technical sessions, an award ceremony, and a prestigious valedictory session. The technical sessions focused on semiconductor materials, thermoelectrics, photochromic materials and sustainable nanostructures. Eminent speakers, including Prof. Abir De Sarkar, INST Mohali; Prof. Jitendra Singh, CSIR-CEERI, Pilani; Prof. R.K. Moudgil, Kurukshetra University; Prof. Annu Sharama, Kurukshetra University and Dr. Vinayak Garg, Punjabi University, Patiala, shared their insights. The poster session further highlighted innovative research aimed at promoting sustainability in material science.

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: India News Calling

Date: 16-02-2025

The role of material science is vital for sustainable development of India: Prof. Avinash Pandey-International Conference AIMS-2025 Concludes at CUH



MAHENDERGARH, 15.02.25-The International Conference on Advancements in Material Science for Sustainable Development (AIMS-2025) at Central University of Haryana (CUH) concluded with great enthusiasm, marked by engaging discussions, research presentations, and a grand

valedictory ceremony. The three-day event, organized under the patronage of Hon'ble Vice Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar by the Department of Physics and Astrophysics, saw participation from over 200 national and international delegates, fostering discussions on sustainable advancements in material science. The final day featured technical sessions, an award ceremony, and a prestigious valedictory session. The technical sessions focused on semiconductor materials, thermoelectrics, photochromic materials and sustainable nanostructures. Eminent speakers, including Prof. Abir De Sarkar, INST Mohali; Prof. Jitendra Singh, CSIR-CEERI, Pilani; Prof. R.K. Moudgil, Kurukshetra University; Prof. Annu Sharama, Kurukshetra University and Dr. Vinayak Garg, Punjabi University, Patiala, shared their insights. The poster session further highlighted innovative research aimed at promoting sustainability in material science.

In the valedictory session, Prof. Avinash Chandra Pandey, Director, Inter University Accelerator Centre, New Delhi, delivered the keynote address as the Chief Guest, emphasizing the crucial role of material science in addressing global challenges. He said that the role of material science is vital to tackle the challenges towards the sustainable development of India. Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar, felicitated the organizing committee and volunteers for their commendable efforts in making the conference a success. Awards were presented for the best oral and poster presentations, recognizing outstanding contributions to material science research. Best poster award goes to Kavita Kumari, Anshul Sharma and Ritu Chauhan. Best Oral Presentation award goes to Shalu Gupta, Sunidhi Badola and Anisha. Prof. Pawan Kumar Sharma, Dean Research further enhanced the grace of the event with their presence.

Prof. Sunita Srivastava, Convener of AIMS-2025 and Head, Department of Physics and Astrophysics, read a comprehensive report on the conference's key takeaways. Prof. Suneel Kumar, Registrar, CUH & Co-convener, AIMS-2025, highlighted the importance of interdisciplinary collaboration in advancing

research.

Expressing gratitude, Dr. Rakesh Kumar, Organizing Secretary, AIMS-2025, extended a vote of thanks to the dignitaries, participants, sponsors, and the dedicated organizing team. Faculty members, including Dr. Ankush Vij, Dr. Jaswant Kumar, Dr. Ramovatar, Dr. Meenu Thakur, Dr. Gaurav Yogesh, Prof. Manoj Kumar Singh, Dr. Savita Budhwar, Dr. Vikas Siwach, Dr. Jatinder, Dr. Ramandeep Kumar, Dr. Yashvir Kalkal, Dr. Rajni Bansal, Dr. Priya Rani, Dr. Swati, Dr. Pardeep, Dr. Sangeeta, and Dr. Suman played a crucial role in the seamless execution of the event.

With the successful conclusion of AIMS-2025, the conference has cemented its place as a premier platform for fostering innovation, research collaborations, and sustainable advancements in material science, further strengthening CUH's commitment to scientific progress.